



नव भारत साक्षरता कार्यक्रम

हाल ही में सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 से 2026-27 तक पाँच वर्षों के दौरान 1037.90 करोड़ रुपए के वित्तीय परवियय के साथ कार्यान्वयन हेतु एक नई केंद्र प्रायोजित योजना "नव भारत साक्षरता कार्यक्रम" (New India Literacy Programme- NILP) शुरू किया है।

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम:

- इस योजना के पाँच घटक हैं:
 - मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान
 - महत्त्वपूर्ण जीवन कौशल
 - व्यावसायिक कौशल विकास
 - बुनियादी शिक्षा
 - शिक्षा जारी रखना
- लाभार्थियों की पहचान:
 - लाभार्थियों की पहचान करने के लिये राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में सर्वेक्षकों द्वारा एक मोबाइल एप पर डोर-टू-डोर सर्वेक्षण किया जाता है।
 - गैर-साक्षर व्यक्ति भी मोबाइल एप के माध्यम से सीधे पंजीकरण करा सकते हैं।
- शिक्षण और सीखने के लिये सवेच्छा जाहिर करना:
 - यह योजना मुख्य रूप से शिक्षण और सीखने के लिये स्वयंसेवा पर आधारित है और स्वयंसेवक मोबाइल एप के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं।
- प्रौद्योगिकी के माध्यम से कार्यान्वयन:
 - यह योजना मुख्य रूप से ऑनलाइन मोड के माध्यम से कार्यान्वयन की जाती है और प्रौद्योगिकी पर आधारित है।
 - शिक्षण एवं सीखने की सामग्री तथा संसाधन NCERT के [दीक्षा मंच \(DIKSHA Platform\)](#) पर उपलब्ध हैं और इन्हें मोबाइल एप के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है।
- मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान का प्रसार:
 - बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान के प्रसार के लिये टीवी, रेडियो, सामाजिक चेतना केंद्र आदि जैसे साधनों का भी उपयोग किया जाता है।
- पात्रता:
 - 15 वर्ष से अधिक आयु के सभी नरिक्षर इस योजना का लाभ प्राप्त करने के पात्र हैं।
- NILP की आवश्यकता:
 - वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में देश के नरिक्षरों की समग्र संख्या 25.76 करोड़ (पुरुष 9.08 करोड़, महिला 16.68 करोड़) है।
 - वर्ष 2009-10 से 2017-18 के दौरान कार्यान्वयित [साक्षर भारत कार्यक्रम](#) के तहत साक्षर के रूप में परमाणित व्यक्तियों की प्रगति को ध्यान में रखते हुए यह अनुमान लगाया गया है कि वर्तमान में भारत में लगभग 18.12 करोड़ वयस्क नरिक्षर हैं।

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)